

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No. _____

D—1606

PAPER—III

MUSIC

[Maximum Marks : 200]

Time : 2½ hours]

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

MUSIC

संगीत

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अर्ज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following paragraph and answer all the five questions given below. Each question is to be answered in 30 words. Each question carries 5 marks.

Each work of art has its own distinct style, which the artist does not deliberately adopts but develops in due course of time. As the handwriting of the individuals is different from each other, similarly the tone of voice from man to man varies individually. All these qualities reflect the personality of a man. If the dozen artists sing the same raga, they will all differ in the presentation of swar. They will have different flavour of tones, different results like some will sing the raga very confidently, some hesitatingly. The tones of some artists will be hard, or delicate. If one dozen artists sing the same tone, we will find one dozen results of one dozen colours/flavours. Each of these twelve interpretations will be an index of a different kind of man and from the quality of the tones, their style, we can judge the personality of these artists. If a mere singing of tones gives so much evidence about its creators, how much more complete will be the evidence of a complex work like singing, the whole melody. At every twin the artist will give himself away. He will reveal his attitude to the audience, his feeling about the moods, his keenness of observation, the retentiveness of his aural memory, his sense of design, his capacity to control his voice, tones and undertones, style is the accumulated result of all this evidence.

टिप्पणी : निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गये पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों में देना अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।

“कला के प्रत्येक कार्य की अपनी शैली होती है और एक कलाकार की शैली ऐसी नहीं होती जिसे वह प्रयत्नपूर्वक अपना ले, बल्कि वह उसको विकसित कर सकता है। किसी व्यक्ति की लिखाई की भाँति उसकी कंठधर्मिता भी उसके अहं का अविच्छन्न भाग होती है जो उसके व्यक्तित्व को प्रकाशित

करती है। यदि एक दर्जन कलाकारों को किसी एक राग के स्वर गाने के लिये कहा जाए तो एक दर्जन प्रकार के परिणाम ही सज्मुख आएँगे। भिन्न भिन्न स्वराघातों के आस्वाद के साथ कुछ साहस के साथ गायेंगे, कुछ संकुचाते हुए, कुछ स्वराघात कठोर और फौलादी, कुछ अन्य कोमल व अति संवेदन शील। कुछ आपको एक कागज के टुकड़े पर पड़े हुए रेशम के धागे का स्मरण करा देंगे जबकि कुछ अन्य एक काले मखमल के टुकड़े का। उन बारह व्याज्याल्पों में से प्रत्येक एक अलग प्रकार के व्यक्ति की अनुक्रमणिका होंगी और स्वरों की गुणधर्मिता और शैली से आप व्यक्ति के व्यक्तित्व का आकलन कर सकते हैं।

जब केवल मात्र स्वराघातों का गायन उसके सृजनकार को प्रमाणित कर सकता है तो पूर्ण संगीतात्मक संरचना का सशक्त गायन कितने अधिक प्रमाणों को चरितार्थ कर सकता है जिसमें हर युग के पश्चात कलाकार स्वयं दूर होता जाता है और अपना कलात्मक व्यवहार श्रोताओं तक पहुँचाता जाता है। अनुभावों के प्रति उसकी भावनाएँ, प्रेक्षणीयता के प्रति उसकी जिज्ञासा, अपनी गौरवान्वित स्मृति पर उसका अधिकार, उसकी नमूना बनाने की केन्द्रिय क्षमता, अपनी आवाज, स्वराघातों तथा उपाघातों को अनुशासित करने की क्षमता आदि से सज्बन्धित परिणामों का संचयित परिणाम ही “शैली” है।

1. What are the important factors which an artist should keep in mind from aesthetic point of view while performing his art.

अपनी कला की प्रस्तुतीकरण के समय सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से वे कौन से तत्व हैं, जिन्हें एक कलाकार को ध्यान में रखना चाहिए ?

2. What is the psychological aspect of Indian Music which makes the art of an artist perfect to his maximum efforts.

भारतीय संगीत का वह ज़्या मनोवैज्ञानिक पक्ष है जो किसी कलाकार के सज़पूर्ण सामर्थ्य से किए गए प्रयत्नों से उसकी कला को पूर्णता प्रदान करता है।

3. The style of presentation of music identifies the personality of the artist. Discuss.

“संगीत के प्रस्तुतीकरण की शैली कलाकार के व्यक्तित्व को प्रकाशित करती है” - चर्चा कीजिए।

4. What is the relationship between the form of music and its style of presentation ?

संगीत की विद्या और उसके प्रस्तुतीकरण की शैली के बीच ज़्या सज़बन्ध है ?

5. What is the difference between the artistic presentation and the craftsmanship ? Explain.

कलात्मक प्रस्तुतीकरण और शिल्पकारिता में ज़्या अन्तर हैं ? वर्णन कीजिए।

SECTION - II

खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Explain Gamak and its varieties as mentioned in Sangeet Ratnakar.

संगीत रत्नाकर में वर्णित गमक तथा उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

7. Throw light on the importance of Avirbhava and Tirobhav in Indian classical music with example in one Raga.

भारतीय शास्त्रीय संगीत में आविर्भाव और तिरोभाव की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुये किसी राग में एक उदाहरण दीजिए।

8. Explain Jatigayan in Short.

जातिगायन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

9. Where is Maihar situated. Describe in brief the characteristic features of a prominent artist belonging to Maihar parampara.

मैहर कहाँ पर स्थित है, मैहर परम्परा से सम्बन्धित किसी प्रसिद्ध कलाकार की विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।

10. Write short notes on any two of the following :
Harmony, Consonance, Mela, Layakari, Baj, Varshamangal, Phalguni, Jati Bhed.

किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

हार्मनी, संवाद, मेल, लयकारी, बाज, वर्षामंगल, फाल्गुनी, जातिभेद।

11. Describe the merits and demerits of Gharana System.

घराना पद्धति के गुण-दोषों का वर्णन कीजिए।

12. Describe the principles of Aesthetics in music

संगीत सौन्दर्यशास्त्र के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

13. Describe the contribution of musicians in the court of Akbar.

अकबर के दरबार में संगीतज्ञों के योगदान की चर्चा कीजिए।

14. Describe in brief the Rasa theory as propogated by Bharat.

भरत द्वारा प्रतिपादित रस सिद्धान्त की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

15. Write short notes on any two of the following.

Lavani, Baul, Jhoomar, Villuppattu, Maand, Gidda, Pandwani, Gitibitan, Nautanki.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

लावणी, बाउल, झूमर, विल्लूपजु, मांड, गिदा, पंडवानी, गीतिबितान, नौटंकी ।

16. Discuss the utility of Institutional music.

संगीत शिक्षण संस्थाओं की उपयोगिता पर चर्चा कीजिए ।

19. Write short notes on any two styles of Dances.
Kathak, Kathakali, Oddissi, Bharatnatyam, Kuchipudi, Manipuri.

किन्हीं दो नृत्य शैलियों के बारे में लिखिए :

कथक, कथकली, ओडिसी, भरतनाट्यम्, कुचीपुड़ी, मणीपुरी।

20. How far do you agree that electronic aids in teaching music are useful in the present system.

आप कहाँ तक सहमत है कि वर्तमान पद्धति में संगीत शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्री से सहायता मिलती है?

SECTION - III

खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अज्ञ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प—I

HINDUSTANI MUSIC - VOCAL AND INSTRUMENTAL

हिन्दुस्तानी संगीत - गायन एवं वादन

21. What is the concept of beauty ? Express your views on the principles of Aesthetics as "applicable to music".

सौन्दर्य की अवधारणा ज़्या है? सौन्दर्य-शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों का "संगीत में प्रयोग" पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

22. Throw light on the various problems and aspects of research.

अनुसंधान की विभिन्न समस्याओं और क्षेत्रों के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालिये।

23. Give a comparative outlook of the Folk music and Classical music.

लोकसंगीत व शास्त्रीय संगीत के तुलनात्मक अध्ययन पर विचार व्यक्त कीजिए।

24. Describe the tradition of Temple music and also write in detail about the singers, instruments and Ragas of this tradition.

पुष्टिमार्गीय संगीत की पुष्ट परम्परा का वर्णन करते हुये इस परम्परा के कुछ गायकों, वाद्यों व रागों के बारे में विस्तार से लिखिए।

25. Explain the evolution and development of Gharana system in Indian music.

भारतीय संगीत में घराना पद्धति के उद्भव एवं विकास का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Elective - II

विकल्प—II

KARNATAKA MUSIC - VOCAL, INSTRUMENTAL AND PERCUSSION

कर्नाटक संगीत

21. Discuss the possibilities of music therapy.

संगीत-चिकित्सा की संभावनाओं पर अपने विचार लिखिए।

22. Compared to the earlier times facilities for learning music are plenty at the present day. Elucidate.

पहिले समय की अपेक्षा आज संगीत-शिक्षा के लिये अनेक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। पुष्टि कीजिए।

23. Explain the multiple rasas in ragas with examples.

विभिन्न रसों के वाहक रागों को उदाहरण सहित समझाइये।

24. Explain the musical aspect of folk songs.

लोक गीतों के संगीत-पक्ष को उजागर कीजिए।

25. Voice Culture is a branch of knowledge pertaining to the study of right voice production. Discuss its importance for a classical vocalist.

वॉइस-कल्चर का सत् कण्ठ से आवाज निकालने की क्रिया को संस्कारित करने हेतु होता है। एक शास्त्रीय संगीत के गायक के लिये इसका ज़्या महत्व है? लिखिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प—III

RABINDRA SANGEET

रबीन्द्र संगीत

21. Tagore said, "It is in art where restraint is needed the most ." Do you support this ? Give your arguments in brief.

टैगोर ने कहा था, "कला में सर्वाधिक अनुशासन अपेक्षित है।" ज़्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने तर्क संक्षेप में लिखिए।

22. "This too is the work of a revolutionist, "-This is how Tagore concludes his discussions with H.G. Wells. What does 'this' refer to ?

टैगोर ने एच.जी. वेल्स से चर्चा को समाप्त करते हुए कहा था, "यह भी एक क्रान्तिकारी का कार्य है।" इसका तात्पर्य ज़्या है?

23. "We do not have the expression of joy in our Ragas and Raginis." Why does Tagore say this in his 'Sangeet O Bhale' ? Do you agree ? Give your arguments.

"हम अपने रागों व रागिनियों में उल्लास की अभिव्यक्ति नहीं पाते", टैगोर ने अपने 'संगीत ओ भाले' में ऐसा ज्यों कहा? ज़्या आप इससे सहमत हैं? अपने तर्क लिखिये।

24. In his conversation with Einstein, Tagore observes, "In European music, you have a comparative liberty about time, but not about melody. But in India we have freedom of melody, with no freedom of time."

Is it true about Indian classical music ? Add your comments.

आइंस्टीन से बातचीत में टैगोर ने यह टिप्पणी की है, "यूरोपीय संगीत में समय सज़्बन्धी तुलनात्मक स्वतंत्रता होती है लेकिन 'मेलॉडी' सज़्बन्धी नहीं। लेकिन भारत में हमको 'मेलॉडी' की स्वतंत्रता हैं, समय की नहीं।" भारतीय संगीत के लिये यह एक सत्य है। इस सज़्बन्ध में आप अपने विचार व्यक्त कीजिए।

25. Tagore, in his discussions with Romain Rolland, makes this demand that "The singer must therefore be a true artist and not merely and artisan."

Please tell briefly what he means by this.

रोमेन रोनाल्ड से चर्चा करते समय यह मांग रखी थी, "गायक को एक सच्चा कलाकार होना चाहिये केवल एक संगीत कर्मी नहीं"। उनके इस कथन के आशय को संक्षेप में समझाइये।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प—IV

PERCUSSION INSTRUMENT

अवनद्ध वाद्य

21. Throw light on the salient features of PAKHAWAJ/TABLA.
पखावज/तबले की वाद्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
22. Trace the origin of TABLA/PAKHAWAJ and give a short account of its development.
तबला/पखावज की उत्पत्ति व विकास को संक्षेप में समझाइये।
23. Describing the importance of LAYA and LAYAKARI, elaborate AAD, QUAD and BIAD.
लय व लयकारी का महत्व बताते हुए आड़, कुआड़ और बियाड़ को उदाहरण सहित समझाइये।
24. Compare and contrast any two GHARANAS of TABLA/PAKHAWAJ.
तबला/पखावज के किन्हीं दो घरानों की सापेक्षित तुलना कीजिए।
25. Which TABLA/PAKHAWAJ player (of National fame) do you like most ? and why ?
आपको कौनसा तबला/पखावज वादक (राष्ट्रीय ज्योति प्राप्त) पसन्द है ? और ज्यों ?

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on any one of the following :

- (i) Tradition of Rag Dhyana and Rag Ragini paintings in Indian music.
- (ii) Different classifications of Rag system and importance of Raganga classification.
- (iii) Contribution of various scholars and musicians in the medieval period.
- (iv) New Trends of Indian Music in Post Independence Era and their impact on classical music.
- (v) Staff Notation system and its chief characteristics.

निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए।

- (i) संगीत में राग ध्यान एवं राग-रागिनी चित्रों की परम्परा।
- (ii) राग वर्गीकरण के विभिन्न प्रकार एवं रागांग वर्गीकरण का महत्व।
- (iii) मध्यकाल में शास्त्रकारों एवं संगीतज्ञों का योगदान।
- (iv) स्वातंत्र्योत्तर काल में भारतीय संगीत की नवीन प्रवृत्तियाँ एवं शास्त्रीय संगीत पर उनका प्रभाव।
- (v) स्टॉफ नोटेशन पद्धति एवं उसकी मुख्य विशेषतायें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date